*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [15]

1. कहानी किसने लिखी है?
   (A) प्रेमचंद (B) माधवराव सप्रे (C) सुभद्राकुमारी चौहान (D) रामधारी सिंह
   उत्तर : (B) माधवराव सप्रे
2. यह कहानी किस प्रकार की है?
   (A) हास्य (B) प्रेरक (C) डरावनी (D) रहस्य
   उत्तर : (B) प्रेरक
3. वृद्धा कहाँ रहती थी?
   (A) महल में (B) झोंपड़ी में (C) मंदिर में (D) अस्पताल में
   उत्तर : (B) झोंपड़ी में
4. वृद्धा का पुत्र कहाँ चला गया था?
   (A) गाँव (B) कस्बा (C) विदेश (D) मृत्यु हो गई
   उत्तर : (D) मृत्यु हो गई
5. वृद्धा की अदालत में किसने मदद की?
   (A) पड़ोसी (B) किसी ने नहीं (C) बेटा (D) बहू
   उत्तर : (B) किसी ने नहीं
6. वृद्धा की पोती को झोंपड़ी से कैसा लगाव था?
   (A) डर (B) नफरत (C) प्रेम (D) घृणा
   उत्तर : (C) प्रेम
7. वृद्धा की बातों ने श्रीमान् को क्या सिखाया?
   (A) लड़ाई (B) त्याग (C) मानवता (D) डर
   उत्तर : (C) मानवता
8. वृद्धा के जीवन का सहारा कौन थी?
   (A) उसकी बहू (B) उसका पोता (C) उसकी पोती (D) उसका बेटा
   उत्तर : (C) उसकी पोती
9. वृद्धा झोंपड़ी से क्यों नहीं हटना चाहती थी?
   (A) डर के कारण (B) झोंपड़ी से लगाव था (C) बीमारी के कारण (D) गुस्से के कारण
   उत्तर : (B) झोंपड़ी से लगाव था
10. वृद्धा ने टोकरी में क्या भरना चाहा?
    (A) अनाज (B) मिट्टी (C) फूल (D) कपड़े
    उत्तर : (B) मिट्टी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

11. श्रीमान् को कब पश्चाताप हुआ?

(A) जब वृद्धा चली गई (B) जब वृद्धा की बात सुनी (C) जब पोती आई (D) जब लोग हँसे

उत्तर : (B) जब वृद्धा की बात सुनी

12. श्रीमान् झोंपड़ी को क्यों हटाना चाहते थे?

(A) अहाते की सुंदरता के लिए (B) डर से

(C) गुस्से से (D) गरीबी से

उत्तर: (A) अहाते की सुंदरता के लिए

13. श्रीमान् ने वृद्धा से क्या कहा?

(A) भाग जाओ (B) हट जाओ (C) यहीं रहो (D) भीतर आओ

उत्तर : (B) हट जाओ

14. वृद्धा ने क्यों टोकरी में मिट्टी भरने की आज्ञा माँगी?

(A) चूल्हे के लिए (B) खेल के लिए (C) खेती के लिए (D) बर्तन रखने के लिए

उत्तर: (A) चूल्हे के लिए

15. श्रीमान् कौन थे?

(A) दुकानदार (B) वकील (C) ज़मींदार (D) डॉक्टर

उत्तर : (C) ज़मींदार

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित रूप से कीजिए।** **[10]**

16. अदालत से उस झोंपड़ी पर _____ कर लिया।

उत्तर : कब्ज़ा

17. कहानी में मुख्य पुरुष पात्र एक _____ था।

उत्तर : ज़मींदार

18. ज़मींदार के घर के पास एक _____ रहती थी।

उत्तर : गरीब वृद्धा

19. ज़मींदार ने वृद्धा से बहुतेरा कहा कि अपनी _____ हटा ले।

उत्तर : झोंपड़ी

20. वृद्धा के घर की दीवार ज़मींदार को अपनी _____ में बाधा लगती थी।

उत्तर : हवेली

21. वृद्धा हाथ में _____ लेकर पहुँची।

उत्तर : टोकरी

22. ज़मींदार ने पश्चाताप कर वृद्धा से _____ माँगी।

उत्तर : क्षमा

23. झोंपड़ी में से एक टोकरी भर _____ लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी।

उत्तर : मिट्टी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

24. वृद्धा झोंपड़ी के _____ गई।

उत्तर : भीतर

25. वृद्धा ने _____ कहा, अब तो झोंपड़ी तुम्हारी हो गई है।

उत्तर : गिड़गिड़ाकर

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** **[9]**

26. कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर : हमें दूसरों की भावनाओं और जुड़ाव का सम्मान करना चाहिए। हर वस्तु का एक भावनात्मक मूल्य होता है जो पैसों से नहीं आंका जा सकता।

27. श्रीमान की टोकरी उठाने में असफलता क्या दर्शाती है?

उत्तर : यह केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक असमर्थता को दर्शाती है। यह उनके अपराधबोध और पश्चाताप का प्रतीक है।

28. श्रीमान् की मनोवृत्ति में कैसे परिवर्तन आता है?

उत्तर : आरंभ में वह कठोर और अधिकारपूर्ण थे। लेकिन वृद्धा के शब्दों और टोकरी की भावनात्मक गहराई ने उन्हें पश्चाताप के लिए विवश किया।

29. कहानी में 'टोकरी भर मिट्टी' का प्रतीकात्मक महत्त्व क्या है?

उत्तर : 'टोकरी भर मिट्टी' स्मृतियों, भावनाओं और अधिकार का प्रतीक है। वृद्धा उस मिट्टी से भावनात्मक जुड़ाव रखती थी।

30. वृद्धा की पोती का व्यवहार क्या दर्शाता है?

उत्तर : घर छिन जाना उसके लिए आघात था। वह झोंपड़ी से गहरा भावनात्मक संबंध रखती थी।

31. वृद्धा झोंपड़ी को क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

उत्तर : वहाँ उसके पति और पुत्र की यादें थीं। वहाँ उसकी पोती का बचपन था। इसलिए वह उस स्थान को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

32. वृद्धा ने टोकरी में मिट्टी क्यों ली और क्या माँग की?

उत्तर : उसने सोचा कि वह मिट्टी से चूल्हा बनाएगी जिससे उसकी पोती रोटी खा सके। उसने श्रीमान से विनती की कि वे टोकरी पर हाथ लगा दें ताकि वह उसे सिर पर धर सके।

33. श्रीमान् ने वृद्धा को हटाने के लिए क्या उपाय किए?

उत्तर : उन्होंने वकीलों की सहायता ली, अदालत का सहारा लिया, अंततः उन्होंने झोंपड़ी पर कब्ज़ा कर लिया।

34. झोंपड़ी की वापसी का क्या महत्त्व है?

उत्तर : यह मानवीय करुणा, पश्चाताप और संवेदना की विजय को दर्शाती है। श्रीमान् ने धन के गर्व को त्यागकर मनुष्यता को चुना।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[20]**

35. 'एक टोकरी भर मिट्टी' का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

उत्तर : 'एक टोकरी भर मिट्टी' यहाँ अन्याय और लालच के संचित बोझ का प्रतीक है। यह दिखाता है कि भौतिक रूप से भले ही कोई छोटा सा कार्य लगे, लेकिन यदि वह अन्यायपूर्ण है तो उसका नैतिक भार इतना भारी हो सकता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

है कि उसे उठाना असंभव हो जाता है और अंततः व्यक्ति को पश्चाताप होता है।

36. ज़मींदार ने वृद्धा को झोंपड़ी से हटाने के लिए किस तरीके का इस्तेमाल किया? क्या यह उचित था?

उत्तर : ज़मींदार ने वृद्धा को हटाने के लिए कानूनी रास्ते का सहारा लिया, वकीलों के माध्यम से अदालत से झोंपड़ी पर कब्ज़ा कर लिया। कहानी के नैतिक संदेश के अनुसार, यह तरीका उचित नहीं था क्योंकि यह अन्यायपूर्ण था और एक गरीब व बेघर वृद्धा के प्रति असंवेदनशीलता दर्शाता था।

37. वृद्धा ने अपनी झोंपड़ी क्यों नहीं छोड़ी?

उत्तर : वृद्धा अपनी झोंपड़ी से बहुत भावुक रूप से जुड़ी हुई थी। यह उसके प्रियजनों की स्मृतियों से भरी थी, जिन्होंने वहीं अंतिम सांस ली थी। इसके अतिरिक्त, यह उसकी अनाथ पोती के लिए एकमात्र आश्रय और सहारा थी, इसलिए वृद्धा किसी भी कीमत पर उसे छोड़ना नहीं चाहती थी।

38. वृद्धा ने ज़मींदार से एक टोकरी मिट्टी माँगने का नाटक क्यों किया? इसके पीछे उसका क्या उद्देश्य था?

उत्तर : वृद्धा का एक टोकरी मिट्टी माँगने का नाटक ज़मींदार को उसकी गलती का एहसास कराने के लिए एक युक्ति थी। उसका उद्देश्य ज़मींदार को यह समझाना था कि एक छोटी सी टोकरी में भरी मिट्टी का भार भी कितना भारी हो सकता है और इसी प्रकार अन्याय का बोझ भी असहनीय होता है।

39. क्या यह कहानी आज के समाज में भी प्रासंगिक है? अपने विचार व्यक्त करें।

उत्तर : हाँ, यह कहानी आज भी बेहद प्रासंगिक है। आज भी समाज में शक्ति और धन के बल पर कमजोरों का शोषण किया जाता है। यह कहानी हमें अन्याय के नैतिक परिणामों और मानवीय संवेदना की आवश्यकता पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है।

40. इस कहानी में वृद्धा के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर : वृद्धा के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ उसका अपनी जड़ों से गहरा लगाव, अपनी पोती के प्रति अथाह प्रेम और विषम परिस्थितियों में भी अपनी बात रखने का साहस एवं बुद्धिमत्ता है। उसने बिना किसी झगड़े के, अपनी बात तार्किक और प्रतीकात्मक तरीके से जमींदार तक पहुँचाई।

41. जमींदार को अपनी गलती का एहसास कैसे हुआ और इसके क्या परिणाम हुए?

उत्तर : ज़मींदार को अपनी गलती का एहसास तब हुआ जब वह एक टोकरी मिट्टी नहीं उठा सका और वृद्धा ने उसे अन्याय के बोझ के बारे में समझाया। इस घटना के बाद जिससे उसका हृदय परिवर्तन हुआ। ज़मींदार ने वृद्धा से माफी माँगी और उसकी झोंपड़ी उसे वापस कर दी।

42. इस कहानी से हमें नैतिक रूप से क्या सीख मिलती है?

उत्तर : इस कहानी से हमें नैतिक सीख मिलती है कि लालच और अन्याय कभी फलते-फूलते नहीं हैं। भले ही कोई व्यक्ति तात्कालिक रूप से अपनी शक्ति का उपयोग करके दूसरों का अहित कर ले, लेकिन अंततः उसे अपने कर्मों के नैतिक भार का सामना करना पड़ता है। मानवीय संवेदना और न्याय का महत्त्व सर्वोपरि है।

43. जब ज़मींदार टोकरी उठाने में असफल रहा, तो वृद्धा ने उसे क्या कहकर समझाया?

उत्तर : जब ज़मींदार टोकरी उठाने में असफल रहा, तो वृद्धा ने उसे समझाया कि जब वह केवल एक टोकरी मिट्टी का भार भी नहीं उठा सकता, तो वह उन हजारों टोकरियों मिट्टी (अन्याय) का भार कैसे उठाएगा जो उसने उसकी झोंपड़ी पर कब्ज़ा करके जमा की है।

44. ज़मींदार और वृद्धा के बीच संघर्ष का मूल कारण क्या था?

उत्तर : ज़मींदार अपनी ज़मीन का विस्तार कर अपने महल का अहाता बनाना चाहता था, जिसके लिए उसे वृद्धा की झोंपड़ी हटानी थी। वृद्धा का अपनी झोंपड़ी से भावनात्मक जुड़ाव था, क्योंकि उसके प्रियजन उसी में गुज़रे थे और वह उसे छोड़ना नहीं चाहती थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

45. कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर : "एक टोकरी भर मिट्टी" कहानी का मुख्य संदेश न्याय, करुणा और मानवीयता का है। यह दिखाती है कि धन और शक्ति का दुरुपयोग करना गलत है। ज़मींदार ने अपने अहंकार में एक निर्बल वृद्धा का घर छीन लिया, लेकिन वृद्धा की बुद्धिमत्ता ने उसे सबक सिखाया। अंत में ज़मींदार को अपनी गलती का एहसास होता है और वह क्षमा माँगकर झोंपड़ी वापस कर देता है। यह कहानी हमें सिखाती है कि सच्ची शक्ति दया और न्याय में निहित है।

46. वृद्धा के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : वृद्धा एक बुद्धिमान, धैर्यवान और साहसी महिला है। वह गरीब और निराश्रित होने के बावजूद हार नहीं मानती। अपनी पोती के प्रति उसका प्रेम और चिंता दिखाती है कि वह एक संवेदनशील दादी है। जमींदार के सामने वह विनम्र है लेकिन अपने अधिकार के लिए लड़ना जानती है। उसकी सबसे बड़ी विशेषता उसकी बुद्धिमत्ता है-वह टोकरी के माध्यम से जमींदार को व्यावहारिक सबक देती है। वह प्रतीकात्मक रूप से समझाती है। उसका चरित्र दर्शाता है कि सच्चा बल शारीरिक शक्ति में नहीं, बुद्धि में होता है।

47. कहानी में न्याय और अन्याय के द्वंद्व को समझाइए।

उत्तर : एक तरफ ज़मींदार है जो अपनी शक्ति और धन का दुरुपयोग करके एक निर्बल वृद्धा पर अत्याचार करता है। वह कानूनी चालबाजी से उसकी झोंपड़ी हड़प लेता है। वह अन्याय का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी तरफ वृद्धा है जो अपनी बुद्धिमत्ता से न्याय की माँग करती है। वह हिंसा या बदले का रास्ता नहीं अपनाती बल्कि प्रतीकात्मक रूप से ज़मींदार को सबक सिखाती है। अंत में न्याय की जीत होती है जब ज़मींदार को अपनी गलती का एहसास होता है और वह झोंपड़ी वापस कर देता है। यह द्वंद्व दिखाता है कि सत्य और न्याय की शक्ति अंततः अन्याय पर विजयी होती है।

48. कहानी से मिलने वाली शिक्षा और जीवन मूल्यों को समझाइए।

उत्तर : यह कहानी अनेक महत्त्वपूर्ण जीवन मूल्य सिखाती है। सबसे बड़ी शिक्षा यह है कि अहंकार और धन का मद व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है। करुणा, दया और मानवीयता ही व्यक्ति को महान बनाती है। कहानी सिखाती है कि कमज़ोरों का शोषण नहीं करना चाहिए बल्कि उनकी सहायता करनी चाहिए। बुद्धिमत्ता बल से अधिक प्रभावशाली होती है। वृद्धा ने यह सिद्ध किया। धैर्य और संयम से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। अंततः सत्य और न्याय की ही विजय होती है।

49. वृद्धा की पोती का व्यवहार क्या दर्शाता है?

उत्तर : वृद्धा की पोती का व्यवहार गहरे लगाव और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। जब उसका घर छिन जाता है तो वह खाना-पीना छोड़ देती है। यह व्यवहार दिखाता है कि बच्चों के लिए घर केवल एक इमारत नहीं बल्कि भावनाओं और यादों का केंद्र होता है। वह बार-बार कहती है कि वह अपने घर में ही खाना खाएगी। उसका व्यवहार यह भी दिखाता है कि अन्याय का प्रभाव केवल पीड़ित व्यक्ति पर ही नहीं बल्कि उसके प्रियजनों पर भी पड़ता है। पोती की यह स्थिति ही वृद्धा को ज़मींदार से मदद माँगने पर विवश करती है।

50. ज़मींदार के चरित्र में क्या परिवर्तन आता है?

उत्तर : ज़मींदार एक अहंकारी, स्वार्थी और संवेदनाहीन व्यक्ति है। वह अपने धन और पद के मद में चूर होकर एक निर्बल वृद्धा पर अत्याचार करता है। वह कानूनी दाँव-पेंच का उपयोग करके उसकी झोंपड़ी हड़प लेता है। लेकिन वृद्धा की बुद्धिमत्ता से मिले सबक के बाद उसमें आत्मचिंतन की शुरुआत होती है। अंत में उसके मन में पश्चाताप होता है, वह अपनी गलती स्वीकार करता है और वृद्धा से क्षमा माँगकर झोंपड़ी वापस कर देता है। यह परिवर्तन दिखाता है कि मनुष्य में सुधार की संभावना हमेशा रहती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

*** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** [40]

किसी श्रीमान् ज़मींदार के महल के पास एक गरीब, अनाथ वृद्धा की झोंपड़ी थी। ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई। वृद्धा से बहुतेरा कहा कि अपनी झोंपड़ी हटा ले, पर वह तो कई जमाने से वहीं बसी थी। उसका प्रिय पति और इकलौता पुत्र भी उसी झोंपड़ी में मर गया था। पतोहू भी एक पाँच बरस की कन्या को छोड़कर चल बसी थी। अब यही उसकी पोती इस वृद्धावस्था में एकमात्र आधार थी।

51. ज़मींदार साहब क्या बढ़ाना चाहते थे?
(अ) खेत (ब) अहाता
(स) बाग (द) महल
52. वृद्धा किसकी झोंपड़ी में रहती थी?
(अ) ज़मींदार की (ब) अपने पति की
(स) अपनी (द) बेटी की
53. वृद्धा की एकमात्र आधार कौन थी?
(अ) बहू (ब) बेटी
(स) पोती (द) पड़ोसी
54. वृद्धा ने झोंपड़ी हटाने से क्यों मना किया?
55. वृद्धा की पारिवारिक स्थिति कैसी थी?

उत्तर : 1. (ब) अहाता
2. (स) अपनी
3. (स) पोती
4. क्योंकि वह वर्षों से वहीं रह रही थी और उसी जगह से जुड़ी थी।
5. वह गरीब और अनाथ थी, उसका परिवार टूट चुका था।

जब उसे अपनी पूर्वस्थिति की याद आ जाती तो मारे दुख के फूट-फूट कर रोने लगती थी और जब से उसने अपने श्रीमान् पड़ोसी की इच्छा का हाल सुना, तब से वह मृतप्राय हो गई थी। उस झोंपड़ी में उसका ऐसा कुछ मन लग गया था कि बिना मरे वहाँ से वह निकलना ही नहीं चाहती थी।

56. वृद्धा अपने पड़ोसी को क्या कहकर बुलाती थी?
(अ) श्रीमान् (ब) मालिक
(स) बेटा (द) साहब
57. वृद्धा को जब श्रीमान् पड़ोसी की इच्छा का हाल सुनाई दिया तो वह कैसी हो गई?
(अ) शांत (ब) क्रोधित
(स) ममतामयी (द) मृतप्राय
58. वृद्धा को किस स्थान से अत्यधिक लगाव हो गया था?
(अ) महल (ब) खेत
(स) झोंपड़ी (द) पड़ोस
59. 'पूर्वस्थिति' से लेखक का क्या तात्पर्य है?
60. 'मन लग गया था' का क्या अर्थ है?

उत्तर : 1. (अ) श्रीमान्
2. (द) मृतप्राय
3. (स) झोंपड़ी
4. वृद्धा की पहले की पारिवारिक और सुखद स्थिति से।
5. झोंपड़ी से भावनात्मक जुड़ाव हो गया था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

श्रीमान् के सब प्रयत्न निष्फल हुए, तब वे अपनी ज़मींदारी चाल चलने लगे। बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से उस झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया और वृद्धा को वहाँ से निकाल दिया। बिचारी अनाथ तो थी ही, पास-पड़ोस में कहीं जाकर रहने लगी।

61. श्रीमान् के प्रयत्न कैसे रहे?
(अ) सफल (ब) निष्फल
(स) व्यर्थ (द) सार्थक
62. झोंपड़ी पर किसने कब्ज़ा किया?
(अ) वृद्धा ने
(ब) वकील ने
(स) अदालत ने
(द) श्रीमान् ने
63. वृद्धा कहाँ जाकर रहने लगी?
(अ) ज़मींदार के पास
(ब) अपनी बेटी के पास
(स) पास-पड़ोस में
(द) अदालत में
64. बाल की खाल निकालने वाले वकीलों से क्या तात्पर्य है?
65. 'थैली गरम करना' मुहावरे का क्या अर्थ है?

उत्तर : 1. (ब) निष्फल
2. (द) श्रीमान् ने
3. (अ) ज़मींदार के पास
4. बहुत ज्यादा बारीकी और बहानेबाजी करने वाले वकील।
5. रिश्वत देकर काम करवाना।

वृद्धा झोंपड़ी के भीतर गई। वहाँ जाते ही उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी। अपने आंतरिक दुख को किसी तरह सँभाल कर उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और हाथ से उठाकर बाहर ले आई। फिर हाथ जोड़कर श्रीमान् से प्रार्थना करने लगी कि, "महाराज, कृपा करके इस टोकरी को जरा हाथ लगाइए जिससे कि मैं उसे अपने सिर पर धर लूँ।"

66. वृद्धा की आँखों से क्या बहने लगा?
(अ) खून (ब) आँसू
(स) पसीना (द) पानी
67. वृद्धा ने टोकरी में क्या भरा?
(अ) अनाज (ब) रोटियाँ
(स) मिट्टी (द) पानी
68. वृद्धा ने टोकरी कहाँ से उठाई?
(अ) अदालत से (ब) झोंपड़ी से
(स) महल से (द) घर से
69. वृद्धा को झोंपड़ी में जाते ही क्या हुआ?
70. वृद्धा ने श्रीमान् से क्या विनती की?

उत्तर : 1. (ब) आँसू
2. (स) मिट्टी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

3. (ब) झोंपड़ी से
4. उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और वह रोने लगी।
5. उसने विनती की कि वह टोकरी को हाथ लगा दें ताकि वह उसे सिर पर रख सके।

पर जब वह बार-बार हाथ जोड़ने लगी और पैरों पर गिरने लगी तो उनके भी मन में कुछ दया आ गई। किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वयं टोकरी उठाने को आगे बढ़े। ज्यों ही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे त्यों ही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है। फिर तो उन्होंने अपनी सब ताकत लगाकर टोकरी को उठाना चाहा, पर जिस स्थान पर टोकरी रखी थी, वहाँ से वह एक हाथ भी ऊँची न हुई। वह लज्जित होकर कहने लगे कि, "नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी।"

71. वृद्धा बार-बार क्या जोड़ने लगी?
(अ) लकड़ी (ब) सामान
(स) हाथ (द) कपड़े
72. वृद्धा द्वारा पैरों पर गिरने से श्रीमान् के मन में क्या आया?
(अ) क्रोध (ब) अहंकार
(स) दया (द) घृणा
73. टोकरी उठाने के लिए किसे आगे बढ़ना पड़ा?
(अ) वृद्धा को (ब) पोती को
(स) स्वयं श्रीमान् को (द) नौकर को
74. श्रीमान् टोकरी क्यों नहीं उठा सके?
75. टोकरी उठाते समय श्रीमान् को क्या महसूस हुआ?

उत्तर : 1. (स) हाथ
2. (स) दया
3. (स) स्वयं श्रीमान् को
4. यह कार्य उनकी शक्ति से बाहर था।
5. श्रीमान् को महसूस हुआ कि टोकरी बहुत भारी है, हमसे न उठेगी।

एक दिन श्रीमान् उस झोंपड़ी के आस-पास टहल रहे थे और लोगों को काम बतला रहे थे कि इतने में वह वृद्धा हाथ में एक टोकरी लेकर वहाँ पहुँची। श्रीमान् ने उसको देखते ही अपने नौकरों से कहा कि उसे यहाँ से हटा दो। पर वह गिड़गिड़ाकर बोली, "महाराज, अब तो झोंपड़ी तुम्हारी ही हो गई है। मैं उसे लेने नहीं आई हूँ। महाराज क्षमा करें तो एक विनती है।"

76. वृद्धा के हाथ में क्या था?
(अ) डंडा (ब) टोकरी
(स) लाठी (द) चिट्ठी
77. श्रीमान् ने वृद्धा को हटाने को किससे कहा?
(अ) वकील से (ब) पड़ोसी से
(स) नौकरों से (द) वृद्धा से
78. वृद्धा ने श्रीमान् से कैसे बात की?
(अ) क्रोध से (ब) गिड़गिड़ाकर
(स) आदेश देकर (द) चुपचाप
79. 'झोंपड़ी तुम्हारी ही हो गई है' का क्या अर्थ है?
80. वृद्धा वहाँ क्यों आई थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : 1. (ब) टोकरी
2. (स) नौकरों से
3. (ब) गिड़गिड़ाकर
4. वृद्धा ने स्वीकृति दी कि अब वह झोंपड़ी ज़मींदार की हो चुकी है।
5. वह झोंपड़ी लेने नहीं, बल्कि एक विनती करने आई थी।

जमींदार साहब के सिर हिलाने पर उसने कहा, "जब से यह झोंपड़ी छूटी है, तब से मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है। मैंने बहुत कुछ समझाया, पर वह एक नहीं मानती। यही कहा करती है कि अपने घर चल, वहीं रोटी खाऊँगी। अब मैंने यह सोचा कि इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी। इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी। महाराज कृपा करके आज्ञा दीजिए तो इस टोकरी में मिट्टी ले जाऊँ !" श्रीमान् ने आज्ञा दे दी।

81. वृद्धा ने अपनी पोती को क्या किया?
(अ) डांटा
(ब) समझाया
(स) घर भेज दिया
(द) गिफ्ट दिया
82. वृद्धा ने क्या योजना बनाई ?
(अ) झोंपड़ी लेने की
(ब) झोंपड़ी जलाने की
(स) टोकरी भर मिट्टी लेने की
(द) पोती को मारने की
83. मिट्टी लेकर वृद्धा क्या बनाएगी?
(अ) मूर्ति (ब) घर
(स) चूल्हा (द) मंदिर
84. झोंपड़ी के छूटने से पोती पर क्या असर पड़ा?
85. पोती का झोंपड़ी से क्या भावनात्मक लगाव था?

उत्तर : 1. (ब) समझाया
2. (स) टोकरी भर मिट्टी लेने की
3. (स) चूल्हा
4. उसने खाना-पीना छोड़ दिया।
5. वह वहीं रोटी खाना चाहती थी, क्योंकि वहीं उसकी यादें थीं।

यह सुनकर वृद्धा ने कहा, "महाराज, नाराज न हो... आपसे तो एक टोकरी भर मिट्टी उठाई नहीं जाती और इस झोंपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है। उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे? आप ही इस बात पर विचार कीजिए।"

जमींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे पर वृद्धा के उपर्युक्त वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गईं। कृतकर्म का पश्चाताप कर उन्होंने वृद्धा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापस दे दी।

86. वृद्धा ने श्रीमान् से क्या कहा?
(अ) चुप रहो (ब) नाराज न हो
(स) क्षमा करो (द) चले जाओ
87. झोंपड़ी में क्या भरी थी?
(अ) चावल (ब) पानी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(स) मिट्टी (द) लकड़ी

88. ज़मींदार साहब किस बात से गर्वित थे?

(अ) पोती पर (ब) अपने धन पर

(स) झोंपड़ी पर (द) वृद्धा पर

89. वृद्धा ने मिट्टी उठाने के सम्बन्ध में क्या बात कही?

90. ज़मींदार को पश्चाताप क्यों हुआ?

उत्तर : 1. (ब) नाराज न हो

2. (स) मिट्टी

3. (ब) अपने धन पर

4. आपसे एक टोकरी मिट्टी उठाई नहीं जाती तो आपने जीवन भर अन्याय एवं पीड़ा मुझ वृद्धा को दी है उसका बोझ कैसे उठायेंगे।

5. क्योंकि वृद्धा के शब्दों ने उन्हें उनके कर्त्तव्य का बोध करा दिया।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in